42705

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.........................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें ।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय ......हिन्दी......

परीक्षा का दिन ......बुधवार......

दिनांक ......12/3/2025......

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	6	19	2
2	3	20	2
3	3	21	
4	3	22	
5	1	23	
6	1	24	
7	1	25	
8	1	26	
9	1	27	
10	1	28	
11	1	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	1½	योग	40
15	1½	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	2	40	चालीस
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर.................... संकेतांक 7 0 0 0 1

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 177/2024

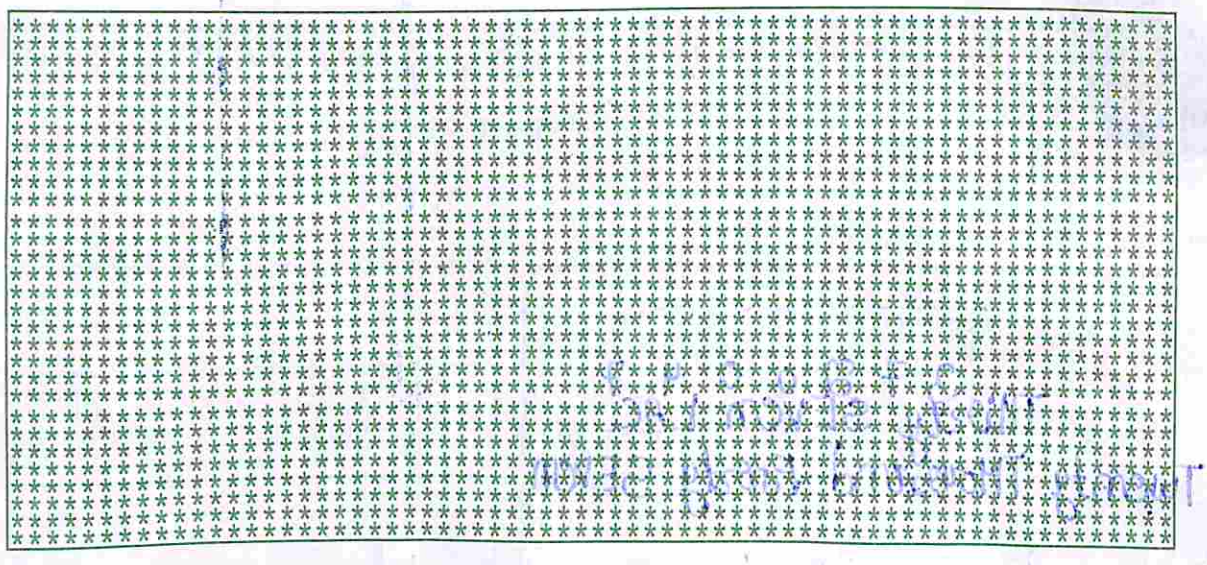

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगीं।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर / अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम / अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका / ग्राफ / मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

[खण्ड => अ]

1(i) उत्तर => दो (अ)

(ii) उत्तर => वह [अ]

(iii) उत्तर => डुमराँव में [स]

(iv) उत्तर => स्वयं कबीर को [ब]

(v) उत्तर => कहानी [अ]

(vi) उत्तर => मन्नू भण्डारी [द]

(vii) उत्तर => शिव-धनुष को खंडित देखकर [अ]

(viii) उत्तर => बादल को [स]

6

(ix) उत्तर => ब्रजभाषा [अ]

(x) उत्तर => भवँरा [स]

(xi) उत्तर => तारकेश्वरनाथ [ब]

(xii) उत्तर => अज्ञेय [द]

2(i) उत्तर => पाँच प्रकार

2(ii) उत्तर => अव्ययीभाव

(iii) उत्तर => वि उपसर्ग

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(iv)	उत्तर => परिमाण वाचक
	(v)	उत्तर => भाववाचक
(3)	(vi)	उत्तर => ~~दुर्भाग्य~~ हार पर्याय
	3(i)	उत्तर => भारत में ऋतु का महत्व।
	3(ii)	उत्तर => भारत में हर दो महीने बाद ऋतु परिवर्तन होता है
	(iii)	उत्तर => वर्षा ऋतु में तीज, नागपंचमी और रक्षाबंधन वसन्त पंचमी अनेक त्योहार आते है।
(3)	(iv)	उत्तर => रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहिन के अटूट प्रेम का प्रतीक है।
	(v)	उत्तर => वर्षा में रिमझिम में तीज का त्योहार नारी मन को उद्वेलित किए बिना नहीं रहता वे सुख-सौभाग्य की कामना करते हुए तीज का त्योहार मनाती है।
	(vi)	उत्तर => दुर्भाग्य => सौभाग्य
	4(i)	उत्तर => वे तोड़ कर पत्थर।
	4(ii)	उत्तर => कवि तोड़ने की बात कर तोड़ो तोड़ो तोड़ो ये पत्थर ये चट्टानें ये बंधनें टूट की बात कर रहा है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) उत्तर => काले पत्थर और उनने तोड़ने की बात कहता की ये झूठे बधंन टूटें तो धरती को हम जानें इसलिए।

(iv) उत्तर => अपने मन के मैदानों पर कैसी अंन व्याप्त है।

(3) (v) धरती को ये झूठे बधंन टूटे तो धरती को हम जानें।

(vi) उत्तर => आधे-आधे गाने से

(vii) [2] [2105 वर्ग]

5 उत्तर => काशी में संगीत की एक आयोजन परंपरा अद्भुत इसलिए है क्योंकि वहां पर गंगा नदी में स्नान करने वाले पवित्र हो जाते काशी मे यह परंपरा भजन-कीर्तन संगीत से आयोजन है क्योंकि वहां पर काशी एक पवित्र स्थान है। काशी मे संगीत आयोजन अद्भुत परंपरा है।

(1)

6 उत्तर => मन्नू भंडारी ने अपनी माँ को धरती से ज्यादा धैर्यवान और सहनशील इसलिए कहा क्योंकि वह एक नारी किसी की माँ किसी पत्नी और उसके यह भी भावना थी वह धरती से ज्यादा धैर्यवान और सहनशील कई गुणा मे है।

(1)

7 उत्तर => संगतकार कविता का मूल संवेदना यह है कि जब आगे गायक गाने वाले होता तो परदे के पीछे वहां और लोग गायन गा सकते क्योंकि वहां सांस ले सकते इसलिए संगतकार का पहला स्वर बड़ी भाषा को होता है। जब कोई दूसरा गाया तो छोटी भाषा मे सुनाई देता है संगीत मे सात स्वर ही गाया जाता है संगतकार कविता का मूल संवेदना यह है।

(1)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

8. उत्तर => उत्साह कविता में निराला ने बादल को इसलिए प्रतीक बताया कि बादल को हमारा जीवन है क्योंकि अगर बादल नहीं होगें तो वर्षा नहीं होगी अगर वर्षा नहीं तो जल नहीं होगा तो लोग खेती कहां करगे और लोग भुख-प्यास से मर जायगे कवि इसलिए उत्साह कविता में निराला जी बादल को प्रतीक बताते है।

1

9. उत्तर => भोलानाथ को खाना खिलाने में लिए मइया यह उपक्रम करती है पहले उसको गोद मे ले लेती है पर उसके बाद लाड-प्यार करती है। और पर रोटी का एक छोटा टूकड़ा छोड़ कर मुंह में प्यार से खिलाती है और उसके बाद भोलानाथ को भाग-दौड़ से आराम से खाना-खिलाने की उपक्रमा करती है।

1

10. उत्तर => अज्ञेय के अनुसार अनुभव और अनुभूति मे यह अन्तर है कि हमे जब किसी चीज का अनुभव लगाते तो वही अनुभूति की तरह लगा है चाहिए वही चीज हो चाहिए जान कुछ भी हो स्वयं भी तो अनुभव या अनुभूति की तरह लगाता है।

1

11. उत्तर => श्री गणेश करना मुहावरे का अर्थ सुरुवात करना।
वाक्य - प्रयोग => जब हमे कोई पहले कार्य करते तो उसकी पहली सुरुवात करना।

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

[खण्ड-स]

18.
(i) उत्तर => चश्मेवाले का नाम कैप्टन था।

(ii) उत्तर => उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मुर्ति बुरी लगती थी।

(iii) बल्कि आहत करती है मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही है इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मुर्ति पर फिट कर देता है।

2

(iv) चश्मेवाला मुर्ति पर लगा फ्रेम कैप्टन फ्रेम संभवत: नेताजी से क्षमा मांगते हुए-लाकर ग्राहक को उतार कर देता था।

13.
(i) उत्तर => राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद।

(ii) उत्तर => सेवक के कार्य => बड़ो का सम्मान करना उनके प्रति प्रेम रखना उनके कहे हुए बात का आदर करना।

2

(iii) शिवधनुष तोड़ने वाले को परशुराम को महाभट के सम्मान बताया गया है।

(iv) राम ने परशुराम को अपना परिचय यह कहकर हे मुनिवर आप हमसे बड़े हो आपका सम्मान करना धर्म है पर सीता स्वयंर शिव-धनुष तो तोड़ा पर मगर आपकी आज्ञा का पालन करना मेरा धर्म है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(14) उत्तर लेखक ने सैकंड क्लास के डिब्बे में चढ़ने के पर पहले से वहाँ से नवाब साहब ने यह प्रतिक्रिया कि तुम कौन हो जैसे ऐसा लगा की जिसने अपने खुद से पूछ लिया हो पर लेखक थोड़ा कपुज हो रहा था कि कैसा लोग है जिस नहीं पर बार में जानता तो मुझे बात क्यों कर रहा है औरी जो मैं बस जानता हूए।

(1½)

(15) उत्तर गोपियों ने हरि को हारिल की लकरी समान इसलिए कहा जैसे हारिल का पक्षी हारिल की लकड़ी को अपने पंजो पकड़ बिना नहीं रहता जैसे हमें भी कृष्ण के बिना नहीं रहे सकती गोपिया ने यह भी कहा कि हमें कृष्ण से प्रेम करते है कृष्ण के बिना हमें नहीं रह सकते।

(1½)

(16) (i) उत्तर => मंगलेश डबराल => मंगलेश डबराल का जन्म सन् 1854 में हुआ यह एक लेखक थे इनोन कई सारी रचनाए कहानी उपन्यास कई तरह के बारे में लिखा। फिर मंगलेश डबराल का निधन 1947 में हो गया।

(2)

सुर्यकांत त्रिपाठी निराला => सुर्यकांत त्रिपाठी का जन्म सन् 1873 में हुआ और उनका गाँव स्थल राजापुर गाँव में हुआ उन्होंने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भी कई सारी रचनाए लिखि जैसे हम पंछी उन गगान रातो रात गई बादल गरजो जोर से आदि इनका जीवन दुख से कटा बचपन और उसके बाद 1937 मे उनका निधन हो गया।

[खण्ड => द]

(17)
उत्तर => खेदुम के एक किलोमीटर के एरिये के बारे में यह बताया की वहाँ पर पर्वत की बर्फिली जगह है फिर वहाँ पर कई सारी झाड़िया कई तरह के लोग रहते वहाँ का यह इलाका अलग सा है जब वहाँ वहाँ से गुजर रहे थे तब वहाँ से स्कुल से पढ़ने वाले पैदल अपने घर जा रहे। जितेन ने लेखिका को यह सब कुछ बताया।

1

(19)
उत्तर => सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
राजकीय उच्च माध्यमिक विघालय,
(परना)

महोदय,
विषय => पाँच दिन शैक्षणिक भ्रमण ले जाने अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र।

नम्र निवेदन है कि मेरे टीचर को मैं घुमाने ले जाने पर मैं विघालय नहीं आ सकता दिनांक 12 मार्च 2025 से 17 मार्च 2025 का अवकाश लेता हूँ कृपया मुझे पाँच दिन का अवकाश देने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नाम => नरेन्द्र
दिनांक => 12 मार्च 2025

2

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

~~उद्ध~~ अपठित बोध विज्ञापन

20 उत्तर

सुनहरा अवसर ~~नक्कर~~ सुनहरा अवसर
नगर निगम हरिद्वार जल संरक्षण

स्थान => उत्तराखण्ड जिला
दिनाँक => 26 मार्च 2025 से 29 मार्च 2025 तक
समय => 10:00 से 3:00 बजे तक

आप सभी लोगो का धन्यवाद जो आप लोग ने जल संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न की।

~~पधारे~~ पधारे (धन्यवाद) पधारे

2

विद्यार्थी जीवन में ~~अनुशा~~ अनुशासन का महत्व

18. उत्तर

(i) प्रस्तावना => विद्यार्थी का जीवन टीचर के सम्मान है आओ सब मिलकर ~~क~~ कर पढ़ाई।

(ii) अनुशासन का अर्थ और आवश्यकता => अनुशासन का मतलब विद्यार्थी को टाइम पर स्कूल आना टाइम पर उपस्थित होना अनुशासन वही नही जो केवल विद्यार्थी को सम्भाल सकते परन्तु उसका जीवन भविष्य से भरा रही।

3

(iii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का महत्व => विद्यार्थी का जीवन एक ~~व~~ वह जीवन है जो हर सपने अपनी मंजिल खुद पाना चाहता

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

है हर किसको को पढ़ाई करनी चाहिए ताकि वही अपने सपने को लक्ष्य की ओर लेजा सकता है।

(iv) अनुसान की उपयोगिता व लाभ =)

अनुशासन विद्यार्थी का जीवन एक कठिनाई से भरा रहता है हर विद्यार्थी यही चाहता की वही अपने हर लक्ष्य को पुरा करे जहाँ उसका सपना माँ-पिता का सपना पुरा करने का अनुशा लेता। चाहिए विद्यार्थी का उपयोगिता हो चाहिए वही लाभ हो। विद्यार्थी का जीवन मे लाभ हो या नहीं।

(v) उपसंहार =) विद्यार्थी का जीवन की रेखा वहाँ से शुरु होती जहाँ तक वही अपनी मंजिल नही पालता तब तक उस कई सारी कठिनाई का समाना क्यों ना पड़ा। चाहिए विद्यार्थी का अनुशासन वही जो खुद को नही बल्कि सब को साथ लेकर चले।

आओ सब मिलकर कर पढ़ाई
हम भी पढ़े दूसरो को भी पढ़ाई
खुद का जीवन मंजिल पाया और
दूसरो का भी हाथ बढ़ाए। यह कामयाब
बन जाये।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

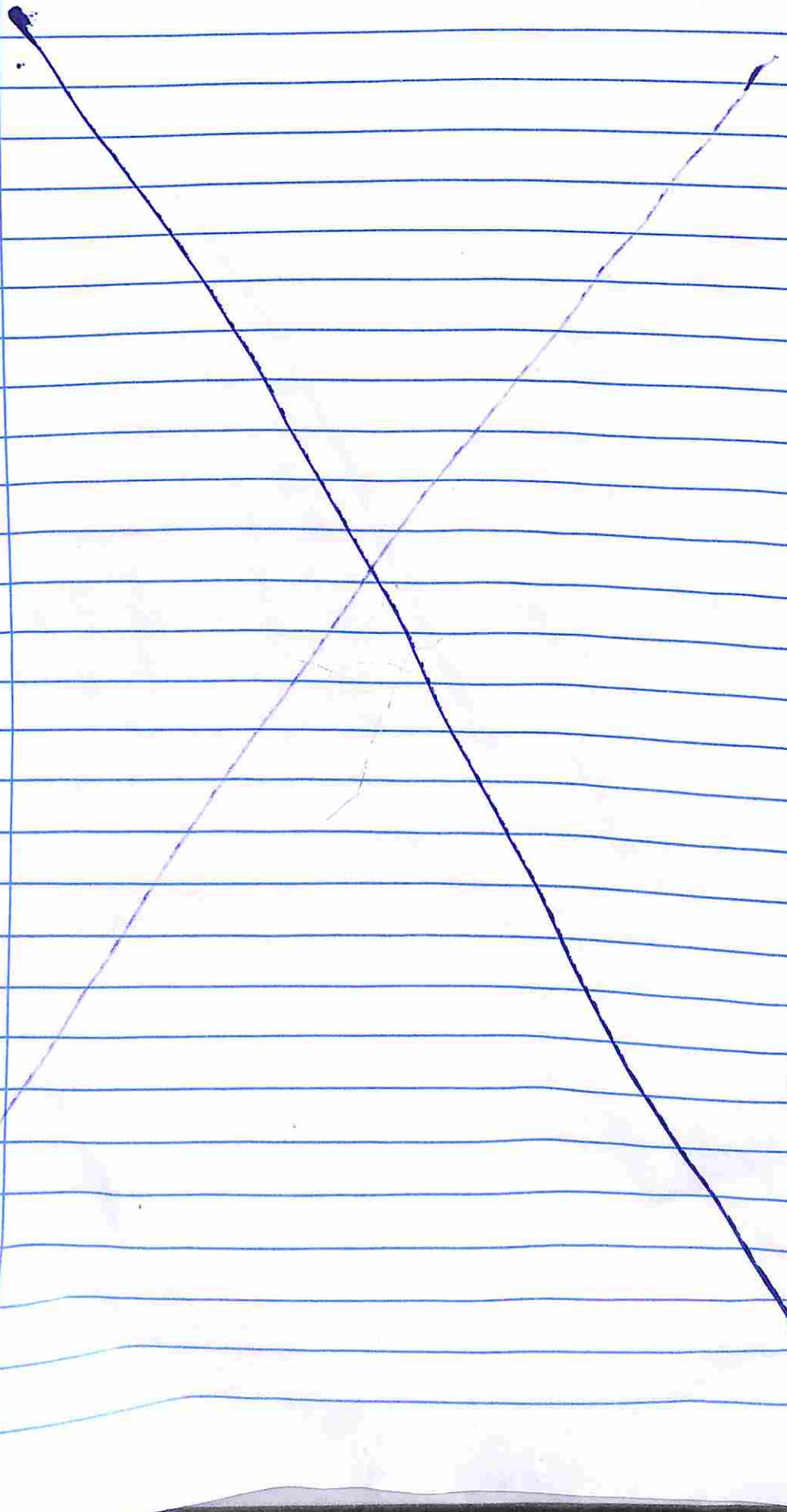

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024